**भारत सरकार**
**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय**
**पशुपालन और डेयरी विभाग**
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या- 2438**
**दिनांक 10 दिसंबर, 2024 के लिए प्रश्न**

**वैश्विक महामारी निधि परियोजना**

**2438. श्रीमती कमलेश जांगड़ेः**
**श्री नव चरण माझीः**

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वैश्विक महामारी निधि परियोजना के अंतर्गत भारत की महामारी प्रतिक्रिया तैयारियों को सुदृढ़ करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) उक्त पहल से पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले जूनोटिक रोगों के जोखिम को कम करने में किस प्रकार सहायता मिलने की संभावना है तथा इसके लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है; और

(ग) वैश्विक महामारी निधि परियोजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में सरकार द्वारा जिन लोगों को सहायता प्रदान की गई है उनकी संख्या का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री**
**(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)**

(क) और (ख) पशुपालन और डेयरी विभाग ने दिनांक 25 अक्टूबर 2024 को 25 मिलियन अमरीकी डालर के अनुदान के साथ "महामारी की तैयारी और प्रतिक्रिया हेतु भारत में पशु स्वास्थ्य सुरक्षा का सुदृढ़ीकरण" जी-20 महामारी निधि परियोजना शुरू की है। प्रस्ताव के तहत प्रमुख पहलों में रोग निगरानी और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को सुदृढ़ और एकीकृत करना, प्रयोगशाला नेटवर्क को उन्नत और विस्तारित करना, अंतर-संचालन योग्य डेटा प्रणालियों में सुधार करना और जोखिम विश्लेषण और जोखिम संचार के लिए डेटा विश्लेषण की क्षमता का निर्माण करना, सीमा-पारीय पशु रोगों के साथ-साथ जूनोटिक रोगों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ करना और सीमा-पारीय सहयोग के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग में भारत की भूमिका है।

इसके अतिरिक्त, भारत की महामारी संबंधी तैयारी और प्रतिक्रिया को सुदृढ़ करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

i. विभाग खुरपका-मुंहपका रोग (एफएमडी), ब्रुसेलोसिस, पीपीआर और सीएसएफ के लिए टीकाकरण हेतु राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता प्रदान करता है, जिसमें रोगों का सीरोसर्विलांस और सीरोमॉनिटरिंग भी

शामिल है। एफएमडी, ब्रुसेलोसिस, पीपीआर और सीएसएफ के लिए क्रमशः 99.17 करोड़, 4.36 करोड़, 18.40 करोड़ और 0.61 करोड़ टीकों की खुराकें दी गई हैं।

ii. पशु रोग नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता (एएससीएडी) घटक के अंतर्गत, विभाग राज्य जैविक उत्पादन इकाइयों और रोग निदान प्रयोगशालाओं के क्षमता निर्माण, पशुधन रोगों की निगरानी तथा मॉनीटरिंग, अनुसंधान और नवाचार तथा सतत पशु चिकित्सा शिक्षा के साथ प्रशिक्षण के संबंध में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता प्रदान करता है।

iii. इसके अलावा, उभरती और फिर से उभरने वाले रोगों सहित जूनोटिक रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एएससीएडी के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। वित्त वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान एएससीएडी के तहत क्रमशः 20401.25 लाख रुपये और 7382.58 लाख रुपये जारी किए गए हैं।

(ग) महामारी निधि परियोजना की शुरुआत दिनांक 25 अक्टूबर 2024 को ही की गई है। इसके अलावा, महामारी निधि परियोजना के तहत लाभ सीधे किसानों को नहीं दिया जाता है, लेकिन छत्तीसगढ़ सहित देश भर में पशुपालन क्षेत्र से जुड़े सभी किसान अप्रत्यक्ष रूप से इस परियोजना से लाभान्वित होंगे।

*****